ICAR-NINFET कोलकाता ने **1-21** दिसंबर **2022** के दौरान "प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और प्राकृतिक रेशों के बायोमास उपयोग में तकनीकी प्रगति" पर **21** दिवसीय **ICAR-**प्रायोजित विंटर स्कूल का आयोजन किया

21 दिसंबर, **2022,** कोलकाता:

आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित इक्कीस दिवसीय आईसीएआर-प्रायोजित शीतकालीन स्कूल "प्रसंस्करण में तकनीकी प्रगति, मूल्य संवर्धन, और प्राकृतिक फाइबर का बायोमास उपयोग" आज पूरे उत्साह और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। एसोसिएट प्रोफेसर, वैज्ञानिक, असिस्टेंट प्रोफेसर और सब्जेक्ट मैटर स्पेशलिस्ट के स्तर पर भारत भर के ग्यारह अलग-अलग राज्यों से कुल मिलाकर **21** प्रतिभागियों ने इस विंटर स्कूल में भाग लिया है।

डॉ. एस. श्रीनिवासन, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-सिरकॉट, मुंबई ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। अपने विचार-विमर्श में, उन्होंने प्रतिभागियों को मानव समाज पर सिंथेटिक फाइबर के खराब प्रभाव के बारे में बताया और प्राकृतिक फाइबर के स्थायी ऊर्जा-बचत मूल्यवर्धन पर प्रकाश डाला।

डॉ. गौरंगा कार, निदेशक आईसीएआर-क्रिजाफ, कोलकाता और उद्घाटन समारोह के सम्मानित अतिथि ने प्राकृतिक रेशों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन के लिए शोध संस्थानों द्वारा विकसित अग्रणी तकनीकों पर जोर दिया और विंटर स्कूल इस ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में मदद कर सकता है।

इससे पहले, डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, भाकृअनुप-निन्फेट ने अपने संबोधन में, प्रख्यात वक्ताओं और प्रतिनिधियों द्वारा विचार-विमर्श के दौरान विकसित हुए प्रज्वलित विचारों की सराहना करने के अलावा विंटर स्कूल के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विस्तार से बताया कि प्राकृतिक रेशों के क्षेत्र में आगे के शोध के लिए एक नए रोड मैप के विकास के लिए अग्रणी प्रतिभागियों के सभी संगठनों के साथ भविष्य में सहयोग की काफी गुंजाइश हो सकती है।

डॉ. ए.के. शर्मा, निदेशक, इंडियन जूट इंडस्ट्रीज रिसर्च एसोसिएशन (आईजेआईआरए) ने समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और प्राकृतिक रेशों के बायोमास उपयोग के लिए संस्थान द्वारा की गई तकनीकी उपलब्धि और भूमिका के बारे में ध्यान देने योग्य वाक्यांशों के साथ स्वागत किया। प्राकृतिक रेशों का विंटर स्कूल ज्ञान को अधिक से अधिक दुनिया में फैलाने में कैसे मदद करेगा।

डॉ. के.के. सतपथी, पूर्व निदेशक, एनआईएनएफईटी और प्रमाण पत्र वितरण समारोह के सम्मानित अतिथि ने प्राकृतिक रेशों के क्षेत्र में विंटर स्कूल के आयोजन की पहल की सराहना की, जो एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के संदर्भ में समाज के लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट्स के मुद्दों पर पालने से लेकर कब्र तक की यात्रा पर रेशों से भोजन के विकास और प्राकृतिक रेशों पर अध्ययन पर जोर दिया।

डॉ. डी.पी. रे, प्रिंसिपल साइंटिस्ट और कोर्स डायरेक्टर विंटर स्कूल ने विंटर स्कूल की गतिविधियों और उपलब्धियों को बताया और समापन सत्र में फीडबैक विश्लेषण के माध्यम से प्रतिभागियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर जोर दिया।

डॉ. शांतनु बसाक, वरिष्ठ वैज्ञानिक और सह-पाठ्यक्रम निदेशक और इंजी. पूरे कार्यक्रम का संचालन प्रतीक श्रीवास्तव ने किया।

ICAR-NINFET, Kolkata organized 21 days ICAR-Sponsored Winter School on "Technological Advancement in Processing, Value Addition, and Biomass Utilization of Natural Fibres" during December 1-21, 2022

December 21, 2022, Kolkata:

The twenty-one days ICAR-Sponsored Winter School on "**Technological Advancement in Processing, Value addition, and Biomass Utilization of Natural Fibres**" organized by ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology has been concluded today with full enthusiasm and exhilaration. Altogether 21 participants from eleven different States across India at the level of Associate Professor, Scientist, Assistant Professor and Subject Matter Specialist, have attended this Winter school.

Dr. S. Sreenevasan, Former Director, ICAR-CIRCOT, Mumbai graced the inaugural session as Chief Guest. In his deliberation, he enlightened the participants on the depraved effect of synthetic fibres to human society and highlighted the sustainable energy-saving value addition of natural fibres.

Dr. Gouranga Kar, Director ICAR-CRIJAF, Kolkata and the Guest of Honour of the inaugural function emphasized the frontier technologies developed by the research institutes for the processing, value addition of natural fibres and the winter school may help to propagate the knowledge to the greater world.

Earlier, in his address, **Dr D. B. Shakyawar**, Director ICAR-NINFET, emphasized the significance of Winter School besides appreciating the ignited ideas that evolved during the deliberations by the eminent speakers and delegates. He elaborated that there may be plenty of scope for future collaboration with all the organization of participants leading to the development of a new road map for further research in the field of natural fibres.

Dr. A.K. Sharma, Director, Indian Jute Industries Research Association (IJIRA) graced the valedictory session as the Chief Guest and hailed with note-worthy phrases about the technological achievement made by the institute for the processing, value addition and biomass utilization of natural fibres and the role of natural fibres how the winter school will help to propagate the knowledge to the greater world.

Dr. K.K. Satapathy, Ex-Director, NINFET and the Guest of Honour of the certificate distribution ceremony appreciated the initiative to organize Winter School in the field of natural fibres which is very much pertinent for society in the context of banning single-use plastics. He emphasized the development of food from fibres and the studies on the natural fibres on the journey from cradle to grave on the issues of carbon footprints.

Dr. D.P. Ray, Principal Scientist & Course Director Winter School has enunciated the activities and the attainments of the Winter School and accentuated the responses received from the participants through the feedback analysis in the valedictory session.

Dr. Santanu Basak, Senior Scientist & Co-Course Director and **Er. Prateek Shrivastava** coordinated the entire programme.

कार्यक्रम की झलकियां/ Glimpses of the Programme:

डॉ डीबी शाक्यवार, निदेशक/ Dr DB Shakyawar, Director

डॉ एस श्रीनिवासन, मुख्य अतिथि/ Dr S Sreenevasan, Chief Guest

व्याख्यान के दौरान/ During lecture

डॉ एके शर्मा, निदेशक, इजिरा/ Dr AK Sharma, Director, IJIRA

प्रमाणपत्र वितरण/ Certificate Distribution